उद्यमियों ने लिया चार गुना निवेश का लक्ष्य

बरेली से 11 हजार करोड़ और मंडल से कुल 20,927 करोड़ रुपये के निवेश की उम्मीद, बरसेगा रोजगार

24 जनवरी को प्रस्तावित इन्वेस्टर्स समिट की तैयारियों की कमिश्नर ने की समीक्षा

अमर उजाला ब्यूरो

बरेली। उत्तर प्रदेश को उद्योगों का शहर बनाने में बरेली मंडल के उद्यमी आगे आ रहे हैं। बरेली से तीन हजार करोड़ लक्ष्य के सापेक्ष 11152 करोड़ (करीब चार गुना) के निवेश का प्रस्ताव मिला है। वहीं, मंडल से 20927 करोड़ निवेश का प्रस्ताव है। इससे 51,851 युवाओं को रोजगार मिलने की उम्मीद है। यह जानकारी शनिवार को इन्वेस्टर्स एवं निर्यातक शिखर सम्मेलन की समीक्षा के दौरान कमिश्नर संयुक्ता समद्दार ने दी।

कमिश्नर ने बैठक में मौजूद सभी उद्यमियों को सुरक्षित निवेश का भरोसा दिलाया। बताया कि 24 जनवरी को आईएमए सभागार में प्रस्तावित सम्मेलन में मुख्य अतिथि प्रदेश के औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन, एनआरआई निवेश प्रोत्साहन मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी होंगे।

बैठक के बाद कमिश्नर ने आईएमए सभागार पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने डीएम शिवाकान्त द्विवेदी और संयुक्त आयुक्त उद्योग ऋषि रंजन गोयल को आयोजन भव्य कराने के निर्देश दिए।

संयुक्त आयुक्त उद्योग ऋषि रंजन गोयल को कमिश्नर ने सेंट्रल यूपी चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष उद्यमी अभिनव अग्रवाल, सचिव अर्पित अग्रवाल, आईआईए चेयरमैन तनुज भसीन, सचिव मयूर धीरवानी, राजेश गुप्ता, आयुष अग्रवाल, एसके सिंह, उन्मुक्त संभव शील, अभिनव कटरू के साथ समन्वय स्थापित करने को कहा।

समिट में निर्धारित लक्ष्य निवेश प्रस्ताव प्राप्त करने के लिए निवेश सारथी पोर्टल पर प्रचार को कहा।

समीक्षा बैठक लेती कमिश्नर संयुक्ता समद्दार। *संवाद*

दस निवेशकों ने दिए 4241.94 करोड़ के प्रस्ताव

संयुक्त उद्योग आयुक्त ने बताया कि बरेली में दस बड़े निवेशकों द्वारा 4241.96 करोड़ निवेश के प्रस्ताव मिले हैं। बायोफ्यूल्स इंडस्ट्री में 242.7 करोड़, फूड प्रोसेसिंग में 666.57 करोड़, एसएसएमई में 661.76 करोड़, सर्विस में 662.09 करोड़, टेक्सटाइल में 106.195 करोड़, पर्यटन में 296.62 और बड़े एमएसएमई सेक्टर में 8516.7 करोड़ के निवेश के प्रस्ताव आए हैं।

सरकार की उद्योग नीति और लाभ पर होगा मंथन

इन्वेस्टर्स समिट में प्रदेश सरकार से मिलने वाले लाभ, उद्यमियों, निवेशकों के पंजीकरण, पर्यटन नीति, हैंडलूम बार टेक्सटाइल पॉलिसी, फूड प्रोसेसिंग पॉलिसी, स्टेट बायो एनर्जी पॉलिसी, डेयरी फार्म विकास नीति, वेयर हाउसिंग नीति का प्रस्तुतिकरण होगा। इनके अलावा बीडीए, यूपी राजस्व, एमएसएमई, मेगा इंडस्ट्रीज आदि की टीमें गठित होंगी। विशेषज्ञ निवेशकों की समस्याओं और शंकाओं का समाधान करेंगे।

युवाओं के प्रवास पर अंकुश के लिए उद्योग लगाएं व्यापारी

व्यापारियों को निवेश के लिए संयुक्त आयुक्त उद्योग ने किया प्रेरित

अमर उजाला ब्यूरो

बरेली। 24 जनवरी को प्रस्तावित इन्वेस्टर्स समिट की तैयारियों के संबंध में शनिवार को जिला उद्योग केंद्र के सभागार में संयुक्त आयुक्त उद्योग ऋषि रंजन गोयल की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों और सदस्यों की बैठक हुई। युवाओं के बढ़ते प्रवास (दूसरे जिलों में नौकरी) पर अंकुश लगाने के लिए व्यापारियों को उद्योग में निवेश करने का सुझाव दिया गया।

संयुक्त आयुक्त उद्योग ऋषि रंजन गोयल ने बताया कि उद्योग स्थापित करना अब पहले की अपेक्षा कहीं अधिक सरल है। कैपिटल सब्सिडी बढ़ी है और ब्याज दर में छूट मिल रही है। बरेली मंडल के उद्यमियों को व्हाट्सएप ग्रुप से जोड़कर नई जानकारी साझा की जा रही है। बायो एनर्जी के लिए एथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा देने पर जोर है।

बताया कि सरकार का लक्ष्य साल 2030 तक पेट्रोल, डीजल की खपत को 40 फीसदी कम करना है। जल्द ही पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल पर मेडिकल कॉलेज शुरू करने की नीति तैयार हो रही है। भूमि खरीदने में आ रही समस्याओं का समाधान प्रशासन करेगा। पर्यटन उद्योग बढ़ाने के लिए नाथ नगरी कॉरिडोर का प्रस्ताव भी तैयार हो रहा है।

व्यापारी गलियों से निकलकर बड़ी मिलें लगाएं

व्यापार मंडल के प्रांतीय महामंत्री राजेंद्र गुप्ता ने मौजूद व्यापारियों को सालों पहले लगाई गई मिल, कारोबार का विस्तार करने का सुझाव दिया। सरकार की नीतियों को सराहते हुए बेझिझक निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया। बैठक में दुर्गेश खटवानी, राजीव अग्रवाल, विपिन कोहली के सवालों के जवाब संयुक्त उद्योग आयुक्त ने दिए। इस दौरान संजीव चांदना, राजेश जसोरिया, विनोद गुप्ता, दुर्गेश खटवानी, मीडिया प्रभारी अनुज अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, मनमोहन सब्बरवाल, सचिन नरूला आदि लोग मौजूद रहे।